कृषि-सलाहकार सेवा

दिसंबर 2022 के प्रथम पखवाड़े की रणनीतियां

- *जब फसल 80-85% तक पक जाएं तो हंसुआ या कंबाइन हार्वेस्टर या रीपर का प्रयोग करके कटाई करें। खपत के उद्देश्य से धान के दानों को 14% नमी की मात्रा सहित धूप में सुखाएं और बीज के उद्देश्य से बेहतर भंडारण के लिए इसे 12% नमी मात्रा तक सुखाएं। उपज के बेहतर मूल्य के लिए प्रत्येक किस्म को बिना मिलाए अलग-अलग पैक करें ।*
- *धान/चावल के सुरक्षित एवं लंबी अवधि के भंडारण के लिए, 'सुपर ग्रेन बैग' का उपयोग करें। कटे हुए धान को बेमौसम वर्षा से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए उपयुक्त तरीके से ढकने हेतु बोरियों में भरें और ढेरों में भंडारित करें।*
- *भंडारित धान दानों में कीटों के संक्रमण दिखाई देने के तुरंत बाद, एल्युमिनियम फॉस्फाइड टिकिया (आवासीय घरों में इसे उपयोग न करें) 3 टिकिया/टन धान दर पर (कुल 9 ग्राम टिकिया) का उपयोग करके अच्छी तरह से हवाबंद डिब्बों में या अनाज की थैलियों को मोटे तिरपाल सहित बिना कोई खाली स्थान छोड़े ढककर धूमन करें। टिकियों को ढेरों में रखने से पहले कपास के पाउच में लपेटा जाना चाहिए, जो धूमन पूरा करने के बाद अवशेषों को त्यागने में मदद करता है। गैस के रिसाव को रोकने के लिए प्लास्टिक कवर के सभी कोनों को मिट्टी या चिपकने वाली टेप की 6 इंच मोटी परत से प्लास्टर किया जाना चाहिए। बेहतर परिणाम के लिए लगभग 7-10 दिनों की न्यूनतम एक्सपोजर अवधि बनाए रखें।*
- *यदि इल्लियों का प्रकोप देखा जाता है: क्विनॉलफॉस 25 ईसी 400 मिली/एकड़ या क्लोरोपाइरीफॉस 20ईसी 500 मिली/एकड दर पऱ प्रयोग करें और इसे सुबह के समय फसल के मूल पर छिड़काव करें।*
- *यदि चूहों की समस्या देखी जाती है, तो खेत और आसपास के क्षेत्रों में चूहों के बिल का पता लगाएं। एल्युमिनियम फॉस्फाइड 6% टैबलेट दर पर एक टैबलेट (12 ग्राम) प्रत्येक बिल में रखें और बिल को मिट्टी से बंद कर दें जिससे चूहें मर जाएंगे।*
- *जहां सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो, खेत में उपलब्ध मिट्टी की नमी का उपयोग करें वहां कम अवधि की रबी फसलें जैसे चना, लोबिया को मध्यम / उथली निचलीभूमि में उगाएं और और फसल की वृद्धि के महत्वपूर्ण चरण में 1-2 सिंचाई करें।*
- *जहां सिंचाई की सुविधा उपलब्ध नहीं हैं, वर्षाश्रित उथली निचलीभूमि में, चावल की फसल की कटाई से 10-15 दिन पहले मिट्टी की नमी से चावल की खड़ी फसल पर बुवाई करके लैथिरस, मटर और अलसी जैसी फसलों को जोड़ी फसल के रूप में उगाया जा सकता है।*

- *ग्रीष्मकालीन चावल की खेती करने के इच्छुक किसानों को अच्छी गुणवत्ता वाले सीआर धान 601, आईआर 64, चंदन, ललाट, उन्नत ललाट, नवीन, सीआर धान 311, सीआर धान 310, खंडगिरी, बीना धान 11, सीआर धान 205, सीआर धान 206, एमटीयू 1010, लूणा सांखी (तटीय लवणीय क्षेत्रों के लिए) किस्मों के बीज की खरीद करनी चाहिए। गीली सीधी बुआई बीज वाले चावल के लिए नवीन, शताब्दी, उन्नत ललाट और सीआर धान 203 किस्मों का उपयोग करें।*

- *ग्रीष्मकालीन धान की नर्सरी की तैयारी शुरू कर देनी चाहिए।*

- *किसानों को सलाह दी जाती है कि चावल की खेती के सभी पहलुओं की जानकारी प्राप्त करने के लिए एनआरआरआई द्वारा विकसित राइसएक्सपर्ट मोबाइल ऐप (गूगल प्ले स्टोर में उपलब्ध) को डाउनलोड करें और उसका उपयोग करें।*